जग में सुंदर है दो नाम .....

जग में सुंदर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम ।
बोलो राम–राम–राम, बोलो श्याम–श्याम–श्याम ।।
एक हृदय में प्रेम बढ़ावे, एक ताप संताप मिटावे ।
दोनों सुख के सागर हैं, दोनों पूरण काम ।।
जग में सुंदर हैं दो नाम ....

माखन ब्रज में एक चुरावे, एक बेर भिलनी के खावे ।
प्रेम भाव के भरे अनोखे, दोनों के हैं काम ।।
जग में सुंदर हैं दो नाम ....

एक कंस पापी को मारे, एक दुष्ट रावण को संहारे ।
दोनों दीन के दुःख हरें, दोनों बल के धाम ।।
जग में सुंदर हैं दो नाम ....

एक राधिका के संग राजे, एक जानकी संग विराजे ।
चाहे सीताराम कहो, कहो चाहे राधेश्याम ।।
जग में सुंदर हैं दो नाम ....

दोनों है, घट–घट के वासी, दोनों है आनंद प्रवासी ।
राम श्याम के दिव्य भजन से, मिलता है विश्राम ।।
जग में सुंदर हैं दो नाम ....

दया धर्म का मूल, पाप मूल अंताप।
जहां क्षमा तहं धर्म है, जहां दया तहं आप।।